

आईसीएआर-सीफेट लुधियाना ने कृषि-खाद्य मशीनरी मानकों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया

लुधियाना: 19 दिसंबर 2024

आईसीएआर-सीफेट, लुधियाना ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) और कोफेम-इंडिया के सहयोग से 19 दिसंबर, 2024 को आईसीएआर-सीफेट, लुधियाना में “कृषि और खाद्य प्रसंस्करण मशीनरी क्षेत्र में मानकीकरण” पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में आईसीएआर-सीफेट और पीएयू लुधियाना के विशेषज्ञों, निर्माताओं, शोध विद्वानों और पूरे भारत से वर्चुअल उपस्थित लोगों सहित 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। संगोष्ठी का उद्देश्य कृषि और खाद्य प्रसंस्करण मशीनरी क्षेत्र में भारतीय मानकों के बारे में निर्माताओं के बीच जागरूकता बढ़ाना था। संगोष्ठी में कई प्रमुख प्रस्तुतियाँ दी गईं। आईसीएआर-सीफेट के निदेशक डॉ. नचिकेत कोतवालीवाले ने मानकीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका और तकनीकी और औद्योगिक प्रगति को बढ़ावा देने में बीआईएस के योगदान पर प्रकाश डाला। कोफेम-इंडिया के अध्यक्ष श्री गुरवंत सिंह ने मशीनरी की गुणवत्ता और विश्वसनीयता में सुधार के लिए मानकीकरण के महत्व पर जोर दिया। बीआईएस के वैज्ञानिक-बी/सहायक निदेशक श्री प्रदीप शर्मा ने भारतीय मानकों को विकसित करने में निर्माताओं की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. विनोद कालबांडे ने सफाई, ग्रेडिंग, छंटाई और पैकेजिंग के लिए उपकरणों के निर्माण में अपने अनुभव साझा किए, जबकि आईआईटी बॉम्बे के एमेरिटस प्रोफेसर डॉ. सैयद इस्माइल ने दक्षता और उपयोगिता बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर उत्पादित उपकरणों के मानकीकरण को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन एक इंटरैक्टिव ओपन-हाउस चर्चा के साथ हुआ, जहां प्रतिभागियों के प्रश्नों को विशेषज्ञों द्वारा संबोधित किया गया, जिससे विचारों के आदान-प्रदान को बढ़ावा मिला। कृषि संरचना और पर्यावरण नियंत्रण प्रभाग के प्रमुख डॉ. संदीप मान द्वारा समन्वित, संगोष्ठी हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने और कृषि और खाद्य प्रसंस्करण मशीनरी क्षेत्र में तकनीकी और औद्योगिक विकास के लिए भारतीय मानकों को बढ़ावा देने के लिए बीआईएस की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कार्यक्रम के समापन पर संयोजक ने इस पहल की सफलता के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर देते हुए धन्यवाद ज्ञापन दिया।

